

करने से बनता है, मध्यपद लोपी, वह समास जिसमें पहले पद से दूसरे पद का संबंध बतलाने वाला शब्द लुप्त रहता है, लुप्त पद समास।

मध्यम पुरुष पुं. (तत्.) व्या. एक प्रकार का पुरुष वाचक सर्वनाम, वह पुरुष जिससे बात की जाए। उदा. 'तुम', 'आप', आदि।

मध्य मार्ग पुं. (तत्.) मध्य मार्ग, मध्य पथ, बीच का रास्ता, अति की दो स्थितियों से हटकर बीच का रास्ता, समझौते वाली स्थिति को अपनाना।

मध्यमस्तिष्क पुं. (तत्.) मनो. मस्तिष्क का बीच वाला भाग।

मध्यमा स्त्री. (तद्.) 1. हाथ के बीच वाली उँगली 2. वयस्क कन्या, युवावास्था के बीच पहुँची स्त्री, प्रौढ़ा 3. काव्य. नायिकाओं के वर्गीकरण में नायक के प्रेम या दोष के अनुसार उसका सम्मान या तिरस्कार करने वाली नायिका 4. कमल का बीजकोष, कमल की कर्णिका।

मध्यमान पुं. (तद्.) औसत, (गणित में) एक से अधिक राशियों के जोड़ को उनकी संख्या से भाग देने पर प्राप्त होने वाली राशि।

मध्ययुग पुं. (तत्.) 1. प्राचीन युग और आधुनिक युग के बीच का समय 2. यूरोप के इतिहास में ईसवी छठी शताब्दी से पंद्रहवीं शताब्दी तक का समय 3. भारत के इतिहास में राजपूत काल से मुगल काल तक का समय।

मध्ययुगीन वि. (तत्.) मध्य युग का, मध्य युग से संबंधित। दे. मध्य युग।

मध्यरात्रि स्त्री. (तत्.) आधी रात।

मध्यलिंगी पुं. (तद्.) ऐसा व्यक्ति जिसमें भिन्न लिंगी व्यक्ति के कुछ लक्षण विकसित हो गए हों, अलग-अलग लिंगों के अभिलक्षणों के मिले-जुले अभिलक्षणों से युक्त व्यक्ति।

मध्यलोक पुं. (तत्.) पृथ्वी, बीच का संसार, भूलोक, मर्त्यलोक, धरती।

मध्यवर्ग पुं. (तद्.) समाज. समाज का वह वर्ग जो धनी अथवा अभिजात वर्ग और श्रमिक वर्ग के

बीच का है, मध्य आय वाली जनता, मध्य वित्त वर्ग, वह वर्ग जो न तो बहुत अमीर है और न बहुत गरीब।

मध्यवर्ती वि. (तद्.) जो बीच में हो, मध्यस्थ, बीच का, केंद्रवर्ती पुं. दो विरोधी पक्षों के बीच में पड़ने वाला तटस्थ, दोनों पक्षों द्वारा मान्य और दोनों का ही निरपेक्ष हित चिंतक, बिचौलिया।

मध्यवित्त वि. (तद्.) जो आर्थिक दृष्टि से मध्य श्रेणी का हो अर्थात् न अमीर हो और न गरीब, मध्य श्रेणी का।

मध्यस्थ वि. (तत्.) 1. मध्यवर्ती 2. तटस्थ, उदासीन 3. दो या दो से अधिक विभिन्न पक्षों को मान्य 4. निष्पक्ष 5. बिचौलिया।

मध्यस्थता स्त्री. (तत्.) 1. मध्यस्थ होने की अवस्था, भाव 2. मध्यस्थ का काम, पद 3. तटस्थता, उदासीनता 4. बिचौलिया का कार्य।

मध्यस्थल पुं. (तत्.) 1. किसी स्थान, वस्तु का बीच का स्थान, मध्य भाग 2. कटि, कमर।

मध्यस्वर पुं. (तत्.) ऐसा स्वर जिसके उच्चारण में जीभ का मध्यभाग ऊपर उठता है।

मध्यांतर पुं. (तत्.) 1. दो घटनाओं, वस्तुओं, समयों आदि के बीच का अंतर, समय 2. अवकाश काल (दिन के बीच में)।

मध्या स्त्री. (तत्.) 1. हाथ की बीच की उँगली, मध्यमा 2. स्वकीया नायिका का एक प्रकार जिसमें लज्जा एवं काम भावना दोनों हों।

मध्यासव पुं. (तत्.) महुए की बनी शराब।

मध्याह्न पुं. (तत्.) 1. दिन के ठीक बीच का समय, दोपहर 2. दिन का दूसरा पहर, दोपहर।

मध्वाचार्य पुं. (तत्.) दर्शन. मध्व संप्रदाय के प्रवर्तक द्वैतवेदांती वैष्णव आचार्य जिनका जीवन काल 1238-1317 ई. का है, ब्रह्मसूत्र, गीता और दस उपनिषदों पर भाष्य सहित 37 ग्रंथों के रचनाकार, द्वैत मत के प्रतिष्ठापक।

मनःकल्पित पुं. (तत्.) मन के द्वारा सोचा, कल्पना किया गया, कपोल-कल्पित, मनगढ़ंत।